॥ ओं नमः सिद्धेभ्यः ॥

जैन बाल गुटका

प्रथम भाग

जिसको

जैन पाठशालाओं में पढ़ाने के वास्ते,

बाबू ज्ञानचंद जैनी ने बनाकर छपाया

JAIN RELIGIOUS TRACTS SERIES.

No 2.

वीर सं० २४३७। विक्रम १९६७। सन् १९११ ई०

मूल्य ।=) पुस्तक मिलने का पता:-

बाबू ज्ञानचन्द जैनी मालिक दिगम्बर जैनधर्म पुस्तकालय अनारकली जैनगली लाहौर।

[illegible] यन्त्रालय लाहौर में प्रिंटर लाला [illegible] जैनी के अधिकार से छपा।

[हक स्वाधीन रक्खा है कोई और न छापे] [पांचवीबार २०००